

**हर्षाश्रु** पुं. (तत्.) आनंद की अधिकता से निकले हुए आँसू, खुशी के आँसू, आनंदाश्रु।

**हर्षिका** वि. (तत्.) हर्षित करने वाली स्त्री. हर्षित करने वाली स्त्री, प्रसन्न करने वाली स्त्री।

**हर्षित** वि. (तत्.) जिसे हर्ष हुआ हो, जो प्रसन्न हुआ हो या किया गया हो, आनंदित।

**हर्षी** वि. (तत्.) 1. प्रसन्न, हर्षित 2. प्रसन्न करने वाला।

**हर्षुक** वि. (तत्.) प्रसन्न करने वाला।

**हर्षुल** वि. (तत्.) 1. हर्ष से भरा हुआ 2. अपनी प्रवृत्ति या स्वभाव से जो प्रसन्न रहता हो 3. गौतम बुद्ध का एक नाम 4. हिरन 5. मृग।

**हर्षुला** स्त्री. (तत्.) ऐसी स्त्री, जिसकी ठोड़ी पर बाल हों टि. ऐसी स्त्री धर्मशास्त्र के अनुसार विवाह के अयोग्य मानी जाती है।

**हर्षोत्फुल्ल** वि. (तत्.) हर्ष से फूला हुआ, प्रसन्नता से प्रफुल्लित।

**हर्षोद्रेक** पुं. (तत्.) 1. हर्ष की अधिकता 2. हर्षातिरेक।

**हर्षोन्मत्त** वि. (तत्.) हर्ष से उन्मत्त, खुशी से पागल।

**हर्षोन्माद** पुं. (तत्.) हर्षातिरेक के कारण सुध-बुध भूलकर उन्मत्त व्यक्ति के समान आचरण करने की स्थिति, आनंदोन्माद।

**हर्षोन्मादक** वि. (तत्.) हर्षोन्माद उत्पन्न करने वाला, हर्षविह्वल करने वाला, आनन्द-विभोर करने वाला।

**हर्ष** पुं. (देश.) एक छोटी बल्ली जो कुड़ (हल का प्रधान भाग, मोटा डंडा) के बीच के छेद में ठुकी रहती है, हरिस।

**हर्षा** पुं. (देश.) हरिस (हल का लट्ठा)।

**हलंत** वि. (तत्.) 1. (वह शब्द) जिसके अंत में स्वर रहित व्यंजन हो, 'हल्' के चिह्न से युक्त व्यंजन, स्वर-रहित व्यंजन।

**हल** वि. (तत्.) 1. स्वर-रहित व्यंजन जैसे- 'जगत्' में 'त्' 2. स्वर-रहित व्यंजन का चिह्न जो उसके नीचे तिरछी लकीर के रूप में होता है जैसे- 'त्', 'ओम्' में 'म्' हलंत है पुं. (तत्.) 1. खेत जोतने का एक उपकरण जो पहले लकड़ी का बनता था लेकिन अब लोहे का भी होता है, सीर पुं. (अर.) 1. समाधान 2. किसी गणितीय प्रश्न का उत्तर निकालने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया 3. वर्ग-पहेली के रिक्त स्थानों की पूर्ति 4. लाक्ष. किसी कठिन विषय, समस्या, संकट आदि का निराकरण करने की युक्ति।

**हल-कंप** पुं. (देश.) उथल-पुथल, तहलका हड़कंप।

**हलक** पुं. (अर.) गले की नली, कंठ।

**हलकई** स्त्री. (देश.) 1. हलकापन 2. ओछापन, तुच्छता। 3. अप्रतिष्ठा, हेठी।

**हलक-तालू** पुं. (देश.) संगीत में ऐसी तान या स्वर, जो हलक और तालु से निकलता हो।

**हलकन** स्त्री. (देश.) हलकने की क्रिया, स्थिति, भाव।

**हलका** पुं. (अर.) क्षेत्र, इलाका (देश.) तरंग, लहर वि. (तत्.) 1. जो भारी न हो, कम वजन का, भार में कमी 2. जो तेज चा चमकीला न हो 3. जो गहरा न हो, उथला।

**हलकान** पुं. (तुर्की.) 1. श्रम, मेहनत 2. क्लान्ति, थकावट वि. थका हुआ, श्रान्त, क्लान्त।

**हलकाना** अ.क्रि. (देश.) 1. हल्का होना, बोझ कम होना स.क्रि. लहरें उत्पन्न करना, तरंगित करना 2. किसी वस्तु में भरे हुए पानी को हिलाना या हिलाकर बुलबुले उत्पन्न करना।

**हलकानी** स्त्री. (देश.) अत्यंत परेशान होने की स्थिति, हलकानी परेशानी।

**हलकापन** पुं. (देश.) 1. हलके होने की अवस्था, गुण या भाव 2. ओछापन, तुच्छता।

**हलका-पानी** पुं. (देश.) ऐसा पानी जिसमें खनिज पदार्थ बहुत थोड़े हों, नरम पानी soft water